मन्दिर में मूरत की वो - पूजा किस काम की है।
जब किसी अपनों के घर-रोटी नहीं शाम की है।

बृद्ध सेवा मन्दिर

डायमण्ड सेवा आश्रम

निर्माण के लिए दान सहयोग करें
स्थाई संरक्षक बने

सदस्य संरक्षक का नाम .....

पिता/पति का नाम .....

पूरा पता .....

.....

.....

फोन न0 ..... व्हाट्सअप न0 .....

घोषणा पत्र

मैं ..... घोषणा करता/करती हूँ कि उपरोक्त वृध सेवा मन्दिर निर्माण एवं संचालन के लिए अपनी खुशी से अपनी स्थाई यश एवं कीर्ती के लिए धर्मार्थ संस्था को राशि रु.....

..... नकद/चेक न0..... द्वारा दान सहयोग कर रहा/रही हूँ।

....

हस्ताक्षर प्राप्तकर्ता हस्ताक्षर दानदाता/संरक्षक

दिनांक .....

संचालन अन्तर्गत
धर्मार्थ संस्था

डायमण्ड चेरिटेबल ट्रस्ट इन्टरनेशनल (पंजी) 2005

सी 5 विकास नगर, उत्तम नगर, नई दिल्ली -110059

ईमेल -diamondcharitable@gmail.com | सम्पर्क सूत्र : +91-8447493636

80जी के अन्तर्गत दान दीगई राशि आयकर मुक्त है। पैन न0-AABTD54388